प्रश्नोत्तर & वर्कशीट – PART -1 **आई एम कलाम के बहाने**

(गाँव के स्कूल में मेरा एक साथी था - मोरपाल । -------------------- रोज़ पंद्रह किलोमीटर बिना छलकाए लिए आता था ।)

1. नए शब्द –

* के बहाने - കാരണത്താൽ * साथी – मित्र, दोस्त Friend * अंग्रेज़ी - English * मास्टर – माटसाब, अध्यापक * मतलब – अर्थ
* सही – ശരിയായ * हिज्जा – वर्तनी Spelling * लुक लुक के देखना – छिपकर देखना * की वजह से – के कारण * जगह – स्थान
* दरीपट्टी – Carpet വിരിപ്പ് * साथ – ഒപ്പം * खाने का डिब्बा – टिफिन बॉक्स * राजमा – एक किस्म की दाल * सौदा – ഏർപ്പാട്
* बाँछें खिल जाना – अत्यधिक प्रसन्न होना * अदला-बदली – लेन-देन, विनिमय Exchanging * चावल - Rice * छाछ – Butter milk
* कमज़ोरी – दुर्बलता Weakness * कतई – बिलकुल തീർത്തും * अंदाज़ा – Guess * सामान्य-सी चीज़ – സാധാരണ വസ്തു
* खास – विशेष Special * रोज़ - नित्य Daily * नहीं जान पाया - അറിയാൻ കഴിഞ്ഞില്ല * ज़रा भी छलकाए - ഒട്ടും തുളുമ്പാതെ

2. मुहावरे का मतलब क्या है ?

1. बाँछें खिल जाना – प्रसन्न होना 2. अदला–बदली करना - लेन–देन करना, विनिमय करना 3. लुक लुक के देखना – छिपकर देखना

3. विशेषण शब्द लिखें ।

1. सही हिज्जा – सही 2. पहला अक्षर – पहला 3. कतई अंदाज़ा – कतई 4. सामान्य-सी चीज़ – सामान्य-सी
5. टिफिन बॉक्स – टिफिन 6. खेल घंटी – खेल 7. पंद्रह किलोमीटर – पंद्रह 8. बडा-सा डिब्बा – बडा-सा

4. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1. बचपन में लेखक का साथी कौन था ?
मोरपाल
2. लेखक और मोरपाल के अंग्रेज़ी मास्टर कौन है ?
तिवारी जी
3. मोरपाल ने अंग्रेज़ी मास्टर से क्या पूछा ?
लुक का मतलब और सही हिज्जे
4. मिहिर और मोरपाल कहाँ पर साथ-साथ बैठते थे ?
क्लास की दरीपट्टी पर
5. क्लास की दरीपट्टी पर लेखक और मोरपाल की जगहें साथ थीं । क्यों ?
नाम का पहला अक्षर मिलने की वजह से
6. बचपन में मिहिर और मोरपाल के बीच का सौदा क्या था ?
खेल घंटी में खाने की अदला-बदली करने का
7. क्या देखकर मोरपाल प्रसन्न हो जाता है ?
मिहिर के खाने के डिब्बे में रखे राजमा देखकर
8. कौन पहली बार राजमा खा रहा था ?
मोरपाल
9. किसकेलिए राजमा एक सामान्य-सी चीज़ है ?
मिहिर केलिए
10. मोरपाल ने पहले कभी राजमा देखा भी नहीं था । कारण क्या होगा ?
मोरपाल की गरीबी
11. राजमा-चावल किसको बहुत पसंद था ?
मोरपाल को
12. किसको छाछ बहुत पसंद था ?
मिहिर को
13. छाछ किसकी कमज़ोरी है ?
मिहिर की
14. कौन छाछ लाता था ?
मोरपाल
15. मोरपाल कैसे छाछ लाता था ?
गाँव से पंद्रह किलोमीटर साइकिल चलाकर बिना ज़रा भी छलकाए लाता था ।
16. मोरपाल को घर से स्कूल तक कितने किलोमीटर साइकिल चलाना पडता था ?
पंद्रह
17. मोरपाल कैसे स्कूल आता था ?
गाँव से पंद्रह किलोमीटर साइकिल चलाकर

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145 Ph 9567124545

18. मोरपाल का घर कहाँ पर है ?

गाँव से पंद्रह् किलोमीटर की दूरी पर

19.‘ हमारा सौदा था घंटी में खाने की अदला-बदली का ।‘- इस तरह की अदला बदली से हम क्या समझ पाते हैं ?

सच्ची मित्रता का मिसाल यहाँ हम देख सकते हैं । दोनों के बीच आपस में ऊँच -नीच या अमीर-गरीब का कोई भेद भाव नहीं था । इसलिए मोरपाल को पसंद राजमा-चावल लेखक लाकर देता था और लेखक को पसंद छाछ मोरपाल भी लाकर देता था ।

20. टिप्पणी – मोरपाल और मिहिर की दोस्ती

बचपन में मोरपाल और मिहिर अच्छे दोस्त थे । गाँव के स्कूल में दोनों एक साथ पढते थे । क्लास की दरीपट्टी पर नाम का पहला अक्षर मिलने से दोनों की बैठने की जगहें साथ थीं । खेल घंटी में दोनों खाना अदला-बदली करके खाते थे । मोरपाल अपने घर से छाछ लाकर मिहिर को देता था और मिहिर अपने घर से राजमा-चावल लाकर मोरपाल को देता था । दोनों आपस में बहुत प्यार करते थे । पढाई में वे एक दूसरे की सहायता भी करते थे । दोनों अपनी दोस्ती को बनाये रखने की कोशिश भी करता था । उनकी दोस्ती के बीच अमीरी-गरीबी की कोई भेदभाव नहीं था ।

21. मोरपाल की डायरी (पहली बार राजमा खाए दिवस)

तारीख: ....

आज मेरेलिए एक विशेष दिन था । पहली बार मैंने राजमा खाया । कितना स्वादिष्ठ था। खाने केलिए बैठने पर मेरे दोस्त मिहिर के टिफिन बॉक्स में रखे राजमा देखते ही मेरी बाँछें खिल गयी थीं । उसे खाने से पहले मैंने कभी राजमा देखा भी नहीं था । राजमा जैसी चीज़ मेरेलिए तो अपूर्व ही था, पर उसकेलिए वह एक साधारण चीज़ था । मैं और उसके बीच खेल घंटी में खाने की अदला बदली करने का निश्चय किया । उसके घर से लाया राजमा-चावल मैंने खाया और मेरे घर से लाया छाछ -चावल उसने भी । जैसे मैंने राजमा खाया, वैसे उसने छाछ को भी बहुत चाव से खा लिया । ऐसा लगा कि छाछ उसकी कमज़ोरी है । आज से हर दिन मैं अपने घर से छाछ लाकर उसे दूँगा ।

22. मिहिर का पत्र (मोरपाल के साथ अपनी खाने की अदला बदली)

स्थान: ....

तारीख: ....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा हूँ ।

तुमको मेरा दोस्त मोरपाल को याद है न ? आज हम खाने केलिए बैठा तो मेरे टिफिन बॉक्स में रखे राजमा देखकर वह बहुत प्रसन्न हो गया । वह राजमा को पहली बार देख रहा था । मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरेलिए सामान्य सी चीज दूसरों केलिए इतनी खास हो सकती है । आज से हमारा सौदा हुआ, खाने की अदला-बदली करने का । उसके घर से लाया छाछ का डिब्बा मुझे दिया और मेरे घर से लाया राजमा -चावल उसको । मुझे लगता है कि अपने घर की गरीब हालत से ही वह राजमा जैसा बढिया दाल खरीद न सकता होगा । मैं हर दिन उसे अपने घर से राजमा लाकर देना चाहता हूँ ।

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है? तुम कब यहाँ आओगे? तुम्हारे माँ-बाप से मेरा प्रणाम कहना। जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता ।

23. मोरपाल का पत्र (पहली बार राजमा खाए दिवस)

स्थान : ....

तारीख : ....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से,एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा हूँ ।

मेरा दोस्त मिहिर रोज़ राजमा लाता है । उसके खाने के डिब्बे में राजमा देखकर मैं खुशी से खिल जाता हूँ । उसके टिफिन बाँक्स से मैंने पहली बार राजमा खाया । कितना स्वादिष्ठ है । मेरी छाछ उसको बहुत पसंद है । उसके घर में रोज़ राजमा पकाता है । उसकेलिए वह सामान्य चीज़ है । वह बहुत निष्कलंग है । लेकिन स्कूल जाना उसे पसंद नहीं है । छुट्टी के दिन पर वह घर में नाचा करता । जो भी हो,अब मुझे यहाँ भी एक मनपसंद मित्र को मिला । मिहिर जैसे एक मित्र को मिलने पर मैं बहुत भाग्यशाली हूँ ।

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? तुम कब यहाँ आओगे ? तुम्हारे माँ बाप से मेरा प्रणाम कहना । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता ।

24. पटकथा (खाने की अदला बदली के बारे में)

स्थान	- स्कूल के कमरे में ।
समय	- दोपहर के 1 बजे ।
पात्र	- 1. मिहिर, 11 साल का लडका, नीली-खाकी यूनीफॉर्म पहना है ।
	2. मोरपाल, 11 साल का लडका, नीली-खाकी यूनीफॉर्म पहना है ।
घटना का विवरण	- खेल घंटी के समय दोनों खाना खाने लगते हैं। दोनों आपस में बातें करते हैं ।

संवाद -

मोरपाल - अरे मिहिर, जल्दी आओ हम साथ खाएँ ।

लेखक - पुस्तक बैक में रखकर मैं अभी आया ।

मोरपाल - वाह ! तुम्हारे टिफिन बॉक्स में यह क्या है ?

लेखक - यह तो राजमा है । क्या तुमने इसे अभी तक खाया नहीं ?

मोरपाल - नहीं यार । मैं इसे आज पहली बार देख रहा हूँ ।

लेखक - मेरेलिए सामान्य सी चीज़ तुम्हारेलिए इतना खास ! खाकर कहिए कैसा है राजमा-चावल ? तुमने आज क्या लाया ?

मोरपाल - मैं तो छाछ लाया हूँ ।

लेखक - वाह छाछ ! इसे खाए कितने दिन हुए ?

मोरपाल - तुम्हारे चावल और राजमा की कडी बहुत स्वादिष्ट है ।

लेखक - तुम्हारे सब्जी-चावल और छाछ भी बहुत बढिया है ।

मोरपाल - सच ! तो हम एक काम करें, आज से हर दिन खाना अदला-बदली करके खाएँ ।

लेखक - ज़रूर । आज से मेरे घर से लाते राजमा-चावल तुम खाओगे और तुम्हारे घर से लाते छाछ-चावल मैं ।

मोरपाल - सचमुच यह तो बडी खुशी की बात है । खेलने जाना है न ? जल्दी खाएँ ।

लेखक - ठीक है ।

(दोनों खाने की अदला-बदली करके खाते हैं ।)

25. वार्तालाप – मिहिर और मोरपाल के बीच

मिहिर - अरे मोरपाल, तुम आ गए ?

मोरपाल - हाँ । आज मैं बहुत थक गया ।

मिहिर - वह कैसे ?

मोरपाल - इस गर्मी में पंद्रह किलोमीटर साइकिल चलाकर आया है न ?

मिहिर - ओ ... मैं भूल गया ।

मोरपाल - कहाँ है मेरा राजमा-चावल ?

मिहिर - वह मेरे बैक में है । और मेरा छाछ ?

मोरपाल - वह तो साइकिल के पीछे रखा है ।

मिहिर - यार तुम यह डिब्बा इतने दूर बिना छलकाए कैसे लाते हो ?

मोरपाल - महीनों से आ रहा हूँ न यार । अभ्यास हो गया ।

मिहिर - जो भी हो, बडे आश्चर्य की बात है । मैं ऐसा नहीं कर पाऊँगा । जल्दी चलो, स्कूल की घंटी लग गई है ।

मोरपाल - ठीक है । साइकिल रखकर मैं अभी आया ।

26. लेखक और मोरपाल के बीच हुए वार्तालाप - खेल घंटी में खाने की अदला बदली के बारे में

मोरपाल - अरे मिहिर, जल्दी आओ हम साथ खाएँ ।

लेखक - पुस्तक बैक में रखकर मैं अभी आया ।

मोरपाल - वाह ! तुम्हारे टिफिन बॉक्स में यह क्या है ?

लेखक - यह तो राजमा है । क्या तुमने इसे अभी तक खाया नहीं ?

मोरपाल - नहीं यार । मैं इसे आज पहली बार देख रहा हूँ ।

लेखक - मेरेलिए सामान्य सी चीज़ तुम्हारेलिए इतना खास ! खाकर कहिए कैसा है राजमा-चावल ? तुमने आज क्या लाया ?

मोरपाल - मैं तो छाछ लाया हूँ ।

लेखक - वाह छाछ ! इसे खाए कितने दिन हुए ?

मोरपाल - तुम्हारे चावल और राजमा की कडी बहुत स्वादिष्ट है ।

लेखक - तुम्हारे सब्जी-चावल और छाछ भी बहुत बढिया है ।

मोरपाल - सच ! तो हम एक काम करें, आज से हर दिन खाना अदला-बदली करके खाएँ ।

लेखक - ज़रूर । आज से मेरे घर से लाते राजमा-चावल तुम खाओगे और तुम्हारे घर से लाते छाछ-चावल मैं ।

मोरपाल - सचमुच यह तो बडी खुशी की बात है । खेलने जाना है न ? जल्दी खाएँ ।

लेखक - ठीक है ।

SREEJITH P. KOVOOR VARKALA, SCR45 ph 9567224545

4. आशय समझकर सही मिलान करके लिखें ।

1. नाम का पहला अक्षर मिलने से – मोरपाल की बाँछें खिल जाती थीं ।
   मिहिर के खाने के डिब्बे में राजमा देखकर – साईकिल चलाकर रोज़ स्कूल आता था ।
   खेल घंटी में हमारा सौदा था – हमारी बैटने की जगहें साथ थीं ।
   मोरपाल पंद्रह किलोमीटर दूर के गाँव से – खाने की अदला-बदली करना ।

2. हिस्सा - सामान्य-सी
   अक्षर - सही
   अंदाज़ा - पहला
   चीज़ - कतई

3. बाँछें खिल जाना - छिपकर देखना
   अदला–बदली करना - समझ सकना
   लुक लुक के देखना - प्रसन्न होना
   जान पाना - विनिमय करना

<u>व्याकरण अंश</u>

1. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।

1. वह रोज़ स्कूल आता था । वह रोज़ स्कूल आया करता था ।
   वह रोज़ छाछ लाता था । वह रोज़ छाछ ---------- ।

2. वह पूछता है । उसने पूछा ।
   वे कहते हैं । ---------- ।

3. कहानियाँ सुनती हैं । किस्से सुनते हैं ।
   अदला-बदली करती है । लेन-देन ----------।

4. वह खेत मजूरी करता है । वह खेत मजूरी करेगा ।
   हम खाना बाँटकर खाते हैं । हम खाना बाँटकर ----------।

2 . कोष्ठक से सही क्रिया रूप से वाक्य की पूर्ति करें ।

1. मोरपाल की बाँछें राजमा देखकर ----------। (खिल जाता था, खिल जाते थे, खिल जाती थी, खिल जाती थीं)
2. दोनों साथ ---------- । (बैठा करता था, बैठे करते थे, बैठा करते थे, बैठे करता था)

4. सही वाक्य पहचानकर लिखें ।

1. जगहें साथ था ।
   जगहें साथ थे ।
   जगहें साथ थी ।
   जगहें साथ थीं ।

2. अदला-बदली होता था ।
   अदला-बदली होती थी ।
   अदला-बदली होते थे ।
   अदला-बदली होती थीं ।

3. मोरपाल रोज़ आए करता था ।
   मोरपाल रोज़ आया करता था ।
   मोरपाल रोज़ आई करता था ।
   मोरपाल रोज़ आई करती थी ।

4. हम स्कूल जाया करता था ।
   हम स्कूल जाया करते थे ।
   हम स्कूल जाए करते थे ।
   हम स्कूल जाई करती थी ।

5. बाँछें खिल जाने लगा ।
   बाँछें खिल जाने लगे ।
   बाँछें खिल जाने लगी ।
   बाँछें खिल जाने लगीं ।

6. दोनों साथ बैठा करता था ।
   दोनों साथ बैठा करते थे ।
   दोनों साथ बैठे करता था ।
   दोनों साथ बैठे करते थे ।

5. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

1. मोरपाल स्कूल आता था । (रोज़, गाँव से)
   मोरपाल साइकिल चलाकर स्कूल आता था ।
   ----------।
   ----------।

SREENATH P, KOVOOR VARKALA, SCR145 M 9567224545

2. हमारी जगहें साथ थीं। (बैठने की, क्लास की)
दरीपट्टी पर हमारी जगहें साथ थीं।
----------।
----------।

3. मोरपाल लाता था। (बिना छलकाए , छाछ)
मोरपाल रेज़ लाता था।
----------।
----------।

6. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

1. हमारी जगहें साथ थीं। (स्थानें)
2. मेरा एक साथी था। (सहेली)
3. मैं स्कूल आया करता हूँ। (हम)
4. खाने की अदला-बदली होती है। (लेन-देन)
5. उसकी बाँछा खिल जाता था। (शौक)
6. उसका गाँव बहुत दूर था। (बस्ती)
7. अमीरों केलिए राजमा सामान्य-सी चीज़ होता था। (कार्य)
8. गाँव का स्कूल छोटा था। (पाठशाला)
9. अंग्रेज़ी के मास्टर पढाने लगे। (टीचर)
10. लुक का मतलब क्या है ? (नीयत)
11. मास्टर ने लुक की सही हिज्जा बतायी। (शब्द विन्यास)
12. दोनों क्लास की दरीपट्टी पर साथ बैठते थे। (कालीन)
13. वह रोज़ खाने का डिब्बा लाता है। (पेटी)
14. हमारा सौदा तय हो गया। (व्यवस्था)
15. वह घर से अच्छी छाछ लाता था। (मट्ठा)
16. उसमें छाछ की कमज़ोरी थी। (खोट)
17. मेरा अंदाज़ा सही था। (राय)
18. उसके घर का राजमा कड़ी बढिया होता था। (दाल)
19. उसके घर से लाया खाना अच्छा था। (रोटी)
20. नाम का पहला अक्षर क्या था ? (वर्णमाला)

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145 M 9567224545